Question :→ Achievement of George Whashingt

Answer :→ अमेरिकी क्रांति के बाद सर्वसम्मति से 1788 में एक व्यापक संविधान का निर्माण हुआ, और जार्ज वाशिंगटन को अमेरिका का राष्ट्रपति चुना गया। 30 अप्रैल 1789 को जन-समूह के सामने वहां के फेडरल हॉल में उसने शपथ ली और न्यूयार्क के चांसलर ने उसकी शपथ विधि सम्पन्न करायी। उसने शपथ ली कि -" मैं अमेरिका के राष्ट्रपति के पद का कार्य ईमानदारी से करूँगा और पूरे सामर्थ्य से अमेरिकी संविधान का परीक्षण, संरक्षण और प्रतिरक्षण करूंगा।"

नया संविधान भावी कार्यों का एक नक्शा मात्र था। इसकी न कोई परंपरा थी और न उसे संगठित लोकमत का समर्थन ही प्राप्त था। संविधान की स्वीकृति के समय जो दल बन गये थे वे अभी एक दूसरे के विरोधी थे। अतएव नये शासन को अपने कार्य संचालन का यंत्र स्वयं बनाना था। Tax वसूल नहीं हो रहे थे। जब तक न्याय विभाग की स्थापना नहीं होती तब तक कानून पर अमल कराने का कोई साधन नहीं था। सेना बहुत छोटी थी और जल सेना तो समाप्त ही हो चुकी थी।

वस्तुतः वाशिंगटन एक विवेकशील व्यक्ति था। उसके बुद्धिमतापूर्ण नेतृत्व की आवश्यकता नयी सरकार को अनिवार्य रूप से थी। उसके शपथ के साथ ही जन समूह की भीड़ ने नारा लगाया था :→ Long live George Washingalon the President of U.S.A." दूसरे शब्दों में जिन गुणों के कारण वह क्रांति का प्रथम सैनिक बना था उन्होंने ही उसको नवीन संगठित देश का प्रथम शासक या राष्ट्रपति बना दिया। उसमें दूरवर्ती उद्देश्य के लिए योजना बनाने की योग्यता और अनन्त अनन्त धैर्य

की क्षमता थी। वह लोगों में आदर और
विश्वास का भाव उत्पन्न कर सकता था।
उसमें चतुराई की अपेक्षा सरलता और दृढ़ता
अधिक थी। तेजस्विता तथा गम्भीरता के
अतिरिक्त उसमें नम्रता, संकोच और कठोर
आत्म-संयम के भी गुण थे। राजनैतिक दृष्टि से
वह रचनात्मक क्रियाशील पहलू का व्यक्ति नहीं था।
विचारशील लेखक और सार्वजनिक भाषण की कला
में भी प्रवीण नहीं था। तथा प्रशासन के सिद्धान्तों
का ज्ञान भी कम ही था, फिर भी लोग उसके
आज्ञाकारी नहीं बल्कि उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखते थे
और वह स्वयं अद्वितीय ढंग से संघ की भावना का
प्रतिनिधित्व करता था। प्रत्येक वर्ग और दल
के जिम्मेवार व्यक्तियों ने उसकी निष्पक्षता विचारों
की गम्भीरता तथा बुद्धिमानी पर विश्वास
किया। उसका "गणतंत्री दरबार" दबदबे और
गम्भीर औपचारिकता के लिए विख्यात था।
कॉंग्रेस तथा प्रशासन अधिकारियों के साथ उसका
सम्बन्ध दलीय ~~अधिकारियों~~ मतभेदों से परे
रहता था। उसकी विचारधारा राष्ट्रीय थी और
संघीय विचारधारा वाले व्यक्तियों से उनकी
सहानुभूति थी। अपने कार्यक्रमानुसार उसकी
दैनिक कार्य विधि काफी लम्बी होती थी।
इसी के परिणामस्वरूप उन्होंने सरकार की प्रतिष्ठा
में वृद्धि की और राष्ट्र को अपनी चेतावनी से
प्रभावित किया जो उन्होंने 1796 में अपनी
विदाई समारोह के अवसर पर निम्न शब्दों
में दी थी :- The united the Americans
"संगठित रहो, अमेरीकी बनो।"

सरकार या शासन का संगठन
करना कोई साधारण कार्य नहीं था, फिर भी कॉंग्रेस
ने जल्द ही पर राष्ट्र, युद्ध और अर्थ आदि
विभागों की स्थापना की। वाशिंगटन ने जेफर्सन
को विदेश मंत्री, हेनरी नाक्स को मुख्य मंत्री और
हैमिल्टन को अर्थ मंत्री नियुक्त किया। साथ ही

Scanned with CamScanner

कॉंग्रेस ने संघीय न्याय विभाग स्थापित कर लिया जिसमें एक Supreme Court था जिसके एक Chief Justice और पाँच सहायक न्यायधीश थे। तीन circle courts और 13 District Courts थे। इसके अतिरिक्त एक एटर्नी जेनरल भी नियुक्त किया गया। वाशिंगटन ने इस पद पर वर्जीनियाँ के एडवर्ड रैण्डोल्फ को नियुक्त किया। संघीय विभागों के प्रमुखों की तरह सभी न्यायधीशों की नियुक्तियाँ राष्ट्राध्यक्ष द्वारा किया जाना और उनकी पुष्टी सिनेट द्वारा किये जाने का निर्णय हुआ। इतना ही नहीं वाशिंगटन (का) सभी निर्णय उन व्यक्तियों की सलाह से करना पसन्द करता था जिनका विचार शक्ति पर उसको विश्वास था। और इसलिए अमेरिकन मंत्रीमंडल स्वतः बन गया, जबकि कानून द्वारा उसकी सत्ता न कि 1907 तक स्वीकृत नहीं हुई।

हैमिल्टन एक अद्भुत प्रतिभावान व्यक्ति था। उसे शासन की व्यवस्था और संगठन के प्रति काफी निष्ठा थी, जिसके परिणाम स्वरूप उसने वाशिंगटन के सचीव के रूप में उनकी अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं को कार्यान्वित किया।

क्रांतिकारी अवधि में वाशिंगटन के पत्रों को देखने से पता चलता है कि सरकारों की कैसी दुर्बलता थी, जबकि वे पर्याप्त फौजों की पूर्ति नहीं कर सकते। अप्रर्याप्त अस्त्र-शस्त्र और धन भेजते थे तथा फौजों में कोई अनुशासन भी नहीं था। अतएव इन सभी कमियों को दूर करने में हैमिल्टन ने वाशिंगटन के साथ हाथ बटाँया। उसने व्यापार संबंधी कठिनाइयों और जयादाद के असुरक्षा संबंधी कठिनाइयों को सुलझाया। उसके अनुसार औद्योगिक उन्नति, व्यापार प्रसार के लिये अमेरिका की प्रतिष्ठा का ख्याल किया। इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए उसने राष्ट्रीय व्यवसायों को विकसित करने के लिए उद्योग संरक्षण के सिद्धान्त पर टैक्स लगाने की नीति का समर्थन किया। परिणामतः संघीय शासन की स्थिति मजबूत हो गयी।

कार व्यापार, और व्यवसाय की उन्नति हुई और व्यापारियों का वर्ग दृढ़ता पूर्वक राष्ट्रीय शासन का समर्थन करने लगा।

~~व~~ दूसरी ओर जेफर्सन आचार की अपेक्षा विचारों की अधिक हिमायती था। हैमिल्टन का प्रधान उद्देश्य देश को अधिक कुशल संगठन प्रदान करने का था परंतु जेफर्सन व्यक्तियों को अधिकाधिक स्वतंत्रता देने का पक्षपाती था। उसका विश्वास था कि संसार में प्रत्येक मनुष्य और प्रत्येक मनुष्य समूह को स्वशासन का अधिकार है। हैमिल्टन अराजकता से डरता था। और व्यवस्था की भाषा में विचार करता था। हैमिल्टन द्वारा राष्ट्रीय बैंक की स्थापना के लिए उपस्थित बिल पर जेफर्सन ने विरोध किया तो वाशिंगटन ने हैमिल्टन के ~~बिल~~ तथ्य को स्वीकार करते हुए बिल पर हस्ताक्षर कर दिया। इतना ही नहीं वाशिंगटन ~~क~~ ने आबकारी कानून से उत्पन्न व्हिस्की विद्रोह को भी दबाया। उसने सारे राष्ट्रीय ऋण को अदा करने की योजना बनायी और Bank of United State की स्थापना की तथा देश के विभिन्न भागों में उसकी शाखायें खोली गयी।

विदेशी मामलों में भी वाशिंगटन के प्रशासन की नीति ~~का आधार~~ उतनी योग्य नहीं थी। वस्तुतः वाशिंगटन की वैदेशिक नीति ~~के आ~~ आधार शांति और सुरक्षा था। देश को युद्ध में लगे घाव को अच्छे होने के लिए और राष्ट्रीय एकता के कार्य को चालू रखने के लिए इसे शांति की आवश्यकता थी। परंतु यूरोप की घटनाओं से इसकी पूर्ती में ~~बाधा~~ ही बाधा उपस्थित हो रही थी।
1793 में फ्रांस और ब्रिटेन के बीच यूरोप में युद्ध का आरंभ हुआ तथा इसकी प्रतिक्रिया अमेरिका में भी जोरों से हुई। लेकिन वाशिंगटन ने बड़ी ही बुद्धिमत्ता से एक तटस्थता घोषणा जारी की। अमेरीका में फ्रांस के राजदूत जिनेट ने इसकी अवहेलना की और अपनी सरकार को लिखा कि वाशिंगटन एक बूढ़ा और कमजोर व्यक्ति है, जिसके ऊपर अंग्रेजों का प्रभाव है। उसने अमेरीकी जनता से अपील ~~की~~ करने की बात की। और जब सरकार ने अमेरीकी बन्दरगाहों ~~पर~~ फ्रांसीसियों के ~~शस्त्र~~ सशस्त्र जहाजों

के संचालन के लिये बन्द कर दिया। तब उसने

उस आदेश का उल्लंघन किया। परन्तु इसपर वाशिंगटन क्रोधीत हुआ। जब वाशिंगटन क्रोधीत हुआ तब फ्रांस की सरकार ने उसे लौट जाने की आज्ञा दिया। परन्तु जिनेट दण्ड की भय से वहाँ नहीं जा सका, और अमरीका में ही वृद्धावस्था तक समय बिताया।

इस घटना से अमरीका में फ्रांसीसी समर्थक दल को बड़ा लज्जित होना पड़ा। फिर भी 1794 में इस दल ने इंग्लैण्ड से युद्ध करने की मांग की। क्योंकि अंग्रेजों ने फ्रेन्च, वेस्ट-इण्डिज को जाते हुए अमरीकी जहाजों को गैर कानूनी तौर से पकड़ लिया। और अंग्रेज 1783 की संधि का उल्लंघन करते हुए उत्तर पश्चिम क्षेत्रों में अपना केन्द्र स्थापित किये रहे परंतु इस समय यदि अमरीका युद्ध छेड़ देता तो यह उसके लिए ही घातक होता। अतः वाशिंगटन ने ग्रेट-ब्रिटेन से अनेक बातों पर समझौता करने के लिए एक अनुभवी कुटनीतिज्ञ John Joy को जो इस समय के मुख्य न्यायधीश थे, एक असाधारण राजदूत के रूप में London भेजा। John Joy ने एक संधि करी, जिसके द्वारा पश्चिमी चुकीयों से ब्रिटिश सेना हट गयी। और अमरीका को कुछ व्यापारिक सुविधायें प्राप्त हो गयी।

निःसंदेह John Joy की संधि से सर्वसाधारण असंतोष फैला, परंतु वाशिंगटन इस पर कुछ भी ध्यान नहीं दिया और उस संशोधनों के साथ सीनेट ने इस संधि को स्वीकार कर लिया। इस प्रकार ज्यों-ज्यों वाशिंगटन के शासन काल समीप आती गयी तो यह स्पष्ट होता गया कि अन्य क्षेत्रों में निश्चित सफलताएँ प्राप्त हो चुकी है। शासन सुसंगठित हो गया। राष्ट्रीय प्रतिष्ठा ऊँची हो गयी है। समुद्री व्यापार बढ़ रहा है। उत्तर-पश्चिमी प्रदेश पर पुनः अधिकार हो गया है और सर्वत्र शांति विराजमान है।

वाशिंगटन 1797 में रिटायर हो गया। उसने 8 वर्ष से अधिक समय राष्ट्र के प्रधान के रूप में कार्य किया और उसके बाद George Adam

गया राष्ट्रपति चुना गया। वस्तुतः वाशिंगटन ने कुछ ही समय में अमरीकन वासी को बहुतेरे महत्वपूर्ण प्रेरणा प्रदान किया, और इस प्रकार अमेरिका के इतिहास में उसका नाम प्रथम राष्ट्रपति के रूप में बहुत ही उल्लेखनीय है। इसके जीवन के दर्शन बहुत ही उच्चे थे। उसके सम्बन्ध में हेनरी Colot Lodge ने ठीक ही कहा है कि He stands among the greatest man of human history and those in the same rank with him are very few. Whether mesured by what he was or by the effect of his work opon the history of mankind. in every asked ~~has~~ he is entitle to the place he whole among the greatest of his race.

SRC